शांतिनाथ जी सतगुरु थाने विनती बारम्बार भजन लिरिक्स

शांतिनाथ जी सतगुरु थाने,
विनती बारम्बार,
हाथ सिर धर दीजो,
पार भव कर दीजो,
शाँतिनाथ जी सतगुरु थाने,
विनती बारम्बार,
हाथ सिर धर दीजो,
पार भव कर दीजो।**bd।**

तर्ज – राम मेरे घर आना।

आप राठौड़ कुल में हुआ तपधारी,
हुआ तपधारी,
बालपना सु भक्ति हिया माई धारी,
हिया माई धारी,
गुरू सु पायो ज्ञान,
आपरा सतगुरु केसर नाथ,
हाथ सिर धर दीजो,
पार भव कर दीजो।
शाँतिनाथ जी सतगुरु थाने,
विनती बारम्बार,
हाथ सिर धर दीजो,
पार भव कर दीजो।**bd।**

नाथा री गादी माथे आप बिराजो,
आप बिराजो,
दीन दुखी रा सारा कारज सारो,
कारज सारो,
महिमा है अपरम्पार,
आपने पूजे नर ओर नार,
हाथ सिर धर दीजो,
पार भव कर दीजो।
शाँतिनाथ जी सतगुरु थाने,
विनती बारम्बार,
हाथ सिर धर दीजो,
पार भव कर दीजो।**bd।**

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

नाथ जलंधर जी रा मिन्दर बनाया,
मिन्दर बनाया,
कई गाँवा मे ज्यारा पगल्या थपाया,
पगल्या थपाया,
किया घणा उपकार,
आपरी होवे जय जयकार,
हाथ सिर धर दीजो,
पार भव कर दीजो।
शाँतिनाथ जी सतगुरु थाने,
विनती बारम्बार,
हाथ सिर धर दीजो,
पार भव कर दीजो।**lbd।**

दास अशोक सतगुरु अरजी सुनावे,
अरजी सुनावे,
चरना मे थारे दाता शिश नमावे,
शिश नमावे,
नाव पडी मजधार आपरे,
हाथ म्हारी पथवार,
हाथ सिर धर दीजो,
पार भव कर दीजो।
शाँतिनाथ जी सतगुरु थाने,
विनती बारम्बार,
हाथ सिर धर दीजो,
पार भव कर दीजो।**lbd।**

शांतिनाथ जी सतगुरु थाने,
विनती बारम्बार,
हाथ सिर धर दीजो,
पार भव कर दीजो,
शाँतिनाथ जी सतगुरु थाने,
विनती बारम्बार,
हाथ सिर धर दीजो,
पार भव कर दीजो।**lbd।**

गायक – प्रकाश माली जी।
प्रेषक – मनीष सीरवी।
(रायपुर जिला पाली राजस्थान)
9640557818

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com